

ग्रसामारण

EXTRAORDINARY

भागः 🎞 म--कण्ड ३—-उप-कण्ड-(ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार स प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

HO 444

नई विल्ली, शुक्रवार, 11 विसम्बर, 1970/ब्रवहायण 20, 1892

No. 444)

NEW DELHI, FRIDAY, DECEMBER 11, 1970/AGRAMAYANA 20, 1892

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संस्था वी जाती है जिससे कि यह ग्रलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT AND INTERNAL TRADE (Department of Internal Trade)

NOTIFICATION

New Delhi, the 11th December 1970

- S.O. 3937.—The Central Government, having considered in consultation with the Forward Markets Commission, the application for renewal of recognition made under Section 5 of the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952 (74 of 1952), by the Ludhiana Grain Exchange Limited, Ludhiana, and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest so to do, hereby grants, in exercise of the powers conferred by Section 6 of the said Act, recognition to the said Exchange for a further period of one year from the 12th December, 1970 to the 11th December 1971 (both days inclusive) in respect of forward contracts in cottonseed.
- 2. The recognition hereby granted is subject to the condition that the said Exchange shall comply with such directions as may from time to time be given by the Forward Markets Commission.

[No. F.12(17)-I.T./70.]

R K. TALWAR, Jt. Secy.

ग्रोबोंगिक विकास तथा श्रोतरिक स्थापार मंत्रालय (श्रोतरिक स्थापार विभाग)

श्रधिसूचना

नई दिल्ली, 11 दिसम्बर, 1970

का० आ० 3937.—केन्द्रीय सरकार लृधियाना मेन एक्स वैंज लिमिटेड, लृधियाना मान्यता के पुनर्नवीकरण के लिए अप्रिम संविद्य (विनियमन)अधिनियम, 1952(1952 का 74) की धारा 5 के अधीन विए गए आवेदन पर, वायदा वाजार आयोग से परामर्श करके, विचार कर लेने पर, और अपना यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना व्यापार के हित में और लोकहित में भी होगा, उक्त अधिनियम की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त एसोमिएशन को बिनौला को अप्रिम संविद्याओं की बाबन, 12 दिसम्बर, 1970 से लेकर 11 दिसम्बर, 1971 तक जिसमें ये दोनों दिन सम्मिलिन हैं, एक वर्ष की अतिरिक्त कालाविध के लिए मान्यना प्रदान करती है।

 एतद्द्वारा प्रदत्त मान्यता इस गर्त के श्रध्यक्षीत है कि उक्त संगम वायव्य बाजार श्रायोग् द्वारा समय-समय पर दिए जाने वाले निदेशों का श्रनुपालन करेगा ।

> [सं० 12 (17)-ग्राई० टी०/70] ग्रार० के० तलबार, संगुक्त सचिब ।